महात्मा गांधी के आदर्श

प्रलिम्सि के लिये:

महात्मा गांधी, शहीद दविस, अस्पृश्यता, संयुक्त राज्य अमेरिका में मार्टनि लूथर कगि, म्याँमार में आंग सान सू की, सांप्रदायकि सद्भाव।

मेन्स के लिये:

प्रमुख गांधीवादी वचिारधाराएँ, वर्तमान के संदर्भ में गांधीजी की प्रासंगकिता।

चर्चा में क्यों?

30 जनवरी, 2023 को **महात्मा गांधी** को उनकी 75वीं पुण्यतथि पिर राष्ट्र द्वारा श्रद्धांजलअिर्पति की गई। इस दनि को **शहीद दविस** के रूप में भी मनाया जाता है।

//

मोहनदास करमचंद गांधी

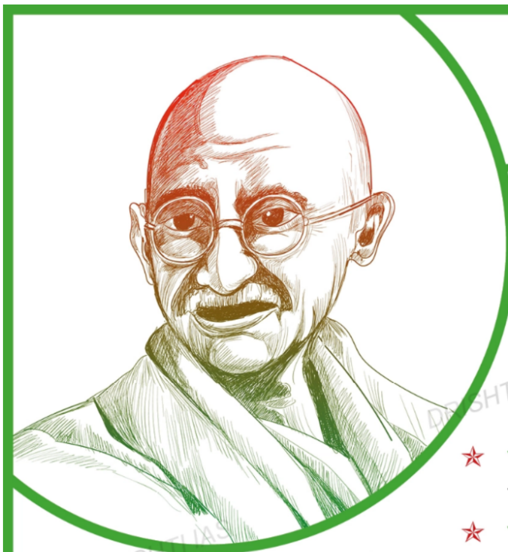

संक्षिप्त परिचय

- **जन्म:** 2 अक्तूबर, 1869; पोरबंदर (गुजरात).
  - 2 अक्तूबर को **अंतर्राष्ट्रीय अहिंसा दिवस** के रूप में मनाया जाता है।
- **प्रोफाइल:** वकील, राजनीतिज्ञ, सामाजिक कार्यकर्त्ता, लेखक तथा राष्ट्रवादी आंदोलनों के नेतृत्वकर्त्ता।
  - राष्ट्रपिता (सबसे पहले नेताजी सुभाष चंद्र बोस ने इस नाम से संबोधित किया)।
- **विचारधारा:** अहिंसा, सत्य, ईमानदारी, प्रकृति की देखभाल, करुणा, दलितों के कल्याण आदि के विचारों में विश्वास करते थे।
- **राजनीतिक गुरु:** गोपाल कृष्ण गोखले
- **मृत्यु:** नाथूराम गोडसे द्वारा गोली मारकर हत्या (**30 जनवरी, 1948**)।
  - **30** जनवरी को शहीद दिवस के रूप में मनाया जाता है।
- नोबेल शांति पुरस्कार के लिये पाँच बार नामित किया गया।

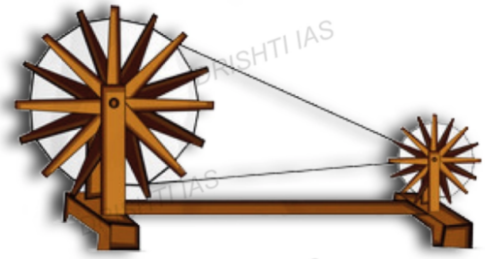

दक्षिण अफ्रीका में गांधी (1893–1915)

- नस्लवादी शासन (मूल अफ्रीकी और भारतीयों के साथ भेदभाव) के खिलाफ सत्याग्रह।
  - दक्षिण अफ्रीका से उनकी वापसी के उपलक्ष्य में प्रत्येक वर्ष **9** जनवरी को **प्रवासी भारतीय दिवस (PBD)** मनाया जाता है।

भारत के स्वतंत्रता संग्राम में योगदान

- छोटे पैमाने के विभिन्न आंदोलन जैसे- चंपारण सत्याग्रह **(1917)**, प्रथम सविनय अवज्ञा, अहमदाबाद मिल हड़ताल (1918)- पहली भूख हड़ताल और खेड़ा सत्याग्रह **(1918)**- पहला असहयोग।
- **राष्ट्रव्यापी जन आंदोलन:** रॉलेट एक्ट के खिलाफ **(1919)**, असहयोग आंदोलन **(1920-22)**, सविनय अवज्ञा आंदोलन **(1930&34)**, भारत छोड़ो आंदोलन **(1942)**।
- **गांधी-इरविन समझौता (1931):** गांधी और लॉर्ड इरविन के बीच जिसने सविनय अवज्ञा की अवधि के अंत को चिह्नित किया।
- **पूना पैक्ट (1932):** गांधी और **बी.आर. अंबेडकर** के बीच; इसने वंचित वर्गों के लिये अलग निर्वाचक मंडल के विचार को छोड़ दिया (सांप्रदायिक पंचाट)।

पुस्तकें

हिंद स्वराज, माय एक्सपेरिमेंट विथ टुथ (आत्मकथा)

साप्ताहिक पत्रिकाएँ

हरिजन, नवजीवन, यंग इंडिया, इंडियन ओपिनियन

गांधी शांति पुरस्कार

भारत द्वारा गांधीवादी तरीकों के माध्यम से सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिये दिया जाता है।

उद्धरण

- **"खुशी तब मिलेगी जब आप जो सोचते हैं, जो कहते हैं और जो करते हैं, सामंजस्य में हों।"**
- **"कमजोर व्यक्ति कभी क्षमा नहीं कर सकता, क्षमा करना शक्तिशाली व्यक्ति का गुण है।"**
- **"आपको मानवता में विश्वास नहीं खोना चाहिये। मानवता सागर के समान है; यदि सागर की कुछ बूँदें गंदी हैं, तो पूरा सागर गंदा नहीं हो जाता।"**

प्रमुख गांधीवादी वचिारधाराएँ:

- **भारत के लयि दूरदृष्टः** भारत के लयि गांधीजी का दृष्टकिोण **औपनवेशकि शासन से राजनीतकि स्वतंत्रता** प्राप्त करने से भी आगे का था।
  - उन्होंने **सामाजकि मुक्त,ि आर्थकि सशक्तीकरण और वभिन्नि भाषा, धरम और सांस्कृतकि पृष्ठभूमि में एकजुटता** की साझा भावना का लक्ष्य रखा।
- **अहसा**: गांधी **अहसा के प्रबल समर्थक** थे और उनका मानना था कि न्याय तथा स्वतंत्रता के संघर्ष में यह सबसे शक्तशाली हथयार है।
  - उनका यह भी मानना था कि अहसा जीवन का एक अभन्नि अंग होना चाहयि, न कि केवल एक राजनीतकि रणनीत, यह स्थायी शांत एवं सामाजकि सद्भाव की ओर ले जाएगी।
  - गांधी एक ऐसे नेता थे जन्होंने प्रेम और करुणा के माध्यम से लोगों को प्रेरति एवं सशक्त कयि।
- **भेदभाव के खलिफ:** गांधी ने पूरे भारत की यात्रा की और देश के वभिन्नि सांस्कृतकि ववधिताओं को देखा।**वह लोगों को उन सामान्य चीज़ों को**

उजागर करके एक साथ लाए जो उन्हें एकजुट करती थीं, जैसे उनका विश्वास।
    - गांधी धर्म या जाति की परवाह किये बिना सभी के साथ समान व्यवहार करने में दृढ़ता से विश्वास करते थे। वह **भेदभाव और छुआछूत की कुप्रथा के खिलाफ थे।**
- **धर्मनिरपेक्ष दृष्टिकोण:** गांधी हिंदू थे लेकिन एक धर्मनिरपेक्ष भारत में उनका दृढ विश्वास था, जहाँ सभी धर्म एक साथ शांतिपूर्वक रह सकते थे। वह धर्म के आधार पर हुए भारत के बँटवारे से बहुत परेशान एवं चिंतित थे।
    - वर्तमान में **गांधी के शांति, समावेश और सद्भाव के मूल्यों को याद रखना** महत्त्वपूर्ण है क्योंकि ये मूल्य अब भी प्रासंगिक हैं।
- **सांप्रदायिक सद्भाव:** गांधी सभी समुदायों की एकता में दृढ़ विश्वास रखते थे और उन्होंने सांप्रदायिक सद्भाव को बढ़ावा देने के लिये अथक रूप से काम किया।
    - उनका मानना था कि **भारत की ताकत उसकी विविधिता में है और इस विविधिता का जश्न बिना डरे मनाया जाना चाहिये।**
    - वह **हिंदू-मुस्लिम विभाजन** से बहुत परेशान थे और उन्होंने दोनों समुदायों को एक साथ लाने का काम किया।
- **आत्मनिर्भरता:** गांधी आत्मनिर्भरता के महत्त्व में विश्वास करते थे और **उन्होंने भारतीयों को अधिक-से-अधिक तरीकों से आत्मनिर्भर बनने के लिये प्रोत्साहित किया।**
    - उन्होंने **स्थानीय संसाधनों और पारंपरिक कौशल** के उपयोग एवं कुटीर उद्योगों के विकास को प्रोत्साहित किया।
    - उनका यह भी मानना था कि **भारत के लोगों को अपने विकास की ज़िम्मेदारी खुद लेनी चाहिये और बाहरी सहयोग पर निर्भर नहीं** रहना चाहिये।

आज के संदर्भ में गांधीवादी विचारधारा की प्रासंगिकता:

- सत्य और अहिंसा के आदर्श गांधी के संपूर्ण दर्शन को रेखांकित करते हैं तथा यह आज भी मानव जाति के लिये अत्यंत प्रासंगिक हैं।
    - महात्मा गांधी की शिक्षाएँ आज और अधिक प्रासंगिक हो गई हैं जब कि लोग अत्यधिक लालच, व्यापक स्तर पर हिंसा तथा भागदौड़ भरी जीवनशैली का समाधान खोजने की कोशिश कर रहे हैं।
- संयुक्त राज्य अमेरिका में मार्टिन लूथर किंग, **दक्षिण अफ्रीका में नेल्सन मंडेला** और म्याँमार में आंग सान सू की जैसे लोगों के नेतृत्व में कई उत्पीड़ित समाज के लोगों को न्याय दिलाने हेतु गांधीवादी विचारधारा को सफलतापूर्वक लागू किया गया है, जो इसकी प्रासंगिकता का प्रत्यक्ष उदाहरण है।
- **दलाई लामा** ने कहा, **"आज विश्व शांति और विश्वयुद्ध, अध्यात्म एवं भौतिकवाद, लोकतंत्र व अधिनायकवाद के बीच एक बड़ा युद्ध चल रहा है।"** इन बड़े युद्धों से लड़ने के लिये यह ठीक होगा कि समकालीन समय में गांधीवादी दर्शन को अपनाया जाए।

UPSC सिविल सेवा परीक्षा, विगत वर्ष के प्रश्न

??????????:

प्रश्न. निम्नलिखित में से कौन अंग्रेज़ी में प्राचीन भारतीय धार्मिक गीतों के अनुवाद 'सॉन्ग्स फ्रॉम प्रिज़न' से संबंधित है? (2021)

(a) बाल गंगाधर तिलक
(b) जवाहरलाल नेहरू
(c) मोहनदास करमचंद गांधी
(d) सरोजिनी नायडू

उत्तर: (c)

प्रश्न. भारत में ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये: (2019)

1. महात्मा गांधी ने 'अनुबंधित श्रम' की व्यवस्था को समाप्त करने में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।
2. लॉर्ड चेम्सफोर्ड के 'युद्ध सम्मेलन' में महात्मा गांधी ने विश्वयुद्ध के लिये भारतीयों को भर्ती करने के प्रस्ताव का समर्थन नहीं किया।
3. भारतीय लोगों द्वारा नमक कानून तोड़ने के परिणामस्वरूप औपनिवेशिक शासकों द्वारा भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस को अवैध घोषित कर दिया गया था।

उपर्युक्त कथनों में से कौन से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2
(b) केवल 1 और 3
(c) केवल 2 और 3
(d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

?????:

प्रश्न. असहयोग आंदोलन और सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान महात्मा गांधी के रचनात्मक कार्यक्रमों पर प्रकाश डालिये। (2021)

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ideals-of-mahatma-gandhi